ISSN 2454-8596
www.vidhyayanaejournal.org
VIDHYAYANA
An International Multidisciplinary Research e-Journal

सोशल मीडिया का बढ़ता सकारात्मक वर्चस्व

पियुषा सोमदेव पंचोली

सारांश

पिछले कुछ सालों से सोशल नेटवर्किंग सिर्फ किशोरों या युवानों के बीच ही नहीं बल्कि, पुरानी पीढ़ी सहित, सभी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। व्यक्तिगत रूप से यह आपके मित्रो और परिवार के मध्य संपर्क स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है, जबकि व्यावसायिक रूप मे सोशल नेटवर्किंग साइटे अपने पहचान के चित्र, प्रतिष्ठा, नेतृत्व पीढ़ी को स्थापित करके कारोबार को बनाए रखने और बढ़ाने मे मदद करती है।

परंपरागत मीडिया माध्यम , जेसे – प्रिंट , इलेक्ट्रोनिक तथा अन्य मीडिया से अलग सोशल मीडिया एक ऐसा मंच है, जो इंटरनेट के माध्यम से एक आभासी दुनिया (virtual world) की रचना करता है और इस दुनिया मे हमें ले जाने के लिए फेसबुक , ट्विटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि जैसे कई प्लैटफ़ार्म मौजूद है। अपरंपरागत मीडिया होने के बावजूद सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है, जो कि संपूर्ण विश्व को आपस मे जोड़ने की क्षमता रखता है। इसके माध्यम से द्रुत गति से सुचानाओ का आदान प्रदान होता है।

विशेष आज जो द्वि-दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन है वह भी हमे सोशल मीडिया से ही प्राप्त हुआ है । तो स्पष्ट हो ही जाता है कि यह वर्तमान समय मे कितना महतव्पूर्ण और सकारात्मक कार्य कर रहा है। सिक्के के दो पहेलु होते है सही और गलत। हम जो निश्चय कर ले हमे हमारी द्रष्टि बदलनी है और उसमे से जो उचित है उसे ही स्वीकार और आत्मसात करें तो एक नये समाज और विश्व को सभी सहजता से स्वीकार करेंगे। ये सब हमेँ सोशल मीडिया से सचोट रूप से मिल सकते है।

कुछ लोगो की माने से सोशल मीडिया की बीमारी लोगो को लग चुकी है। परंतु हकीकत में एसा नहीं है। पहले के जमाने में या यूं कहे की आदिम काल से ही मानव समाज द्वारा आपसी संबंध के विस्तार में संचार प्रक्रिया को मुख्य उपकरण के तौर पर प्रयोग करने के साक्ष्य इतिहास के पन्नो से मिलते हैं।

यदि आदिकाल में जन संपर्क-कर्ता की बात करें तो वेदिक शास्त्रों एवं पुराणों में देवऋषि नारद इसका एक चर्चित उदाहरण थे।उसके पश्चात कबूतरों के गले में संदेश पत्र बांधा जाता था। मुगलशासनकाल में वाकअःनवीश संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान पहुचाते थे। फिर धीरे–धीरे डाक विभाग का सृजन हुआ और पत्रवाहक चिट्ठी लेकर स्थान बदलते थे। मुद्रण तकनीक के विकास से अखबार, ग्राहम बेल ने टेलीफोन, मार्कोनी ने रेडियो उसके पश्चात सिनेमा, टेलिविजन जैसे जन माध्यम व्यक्तियों की अभिव्यक्ति का साधन बने। 1840 में कंम्प्युटर नामक मशीन ने इंटरनेट से एक माध्यम विकास किया, जिसे न्यू मीडिया नाम दिया गया और वर्तमान में कोसों की दूरी को एक क्लिक तक सीमित कर दिया है।

विश्व की पहली वैबसाइट 6 अगस्त 1991 को शुरू हुई। इसका नाम info.cern. ch था। इस वैबसाइट को अटमी शोध के यूरोपियन संगठन सर्न (CERN) के लिए बनाया गया था। वर्ल्ड वाइड वेब के जन्मदाता एवं ब्रिटिश कम्प्युटर वैज्ञानिक टिमोथी जोर्न टिम बर्नर्स ली ने इस वैबसाइट की शरूआत की थी। डबल्यू. डबल्यू. डबल्यू. (WWW) संरचना के निर्माण से ही वैबसाइटों का अस्तितव साकार हो पाया। इसके बाद नित्य नई – नई वैबसाइटें बनाने का सिलसिला शुरू हो गया।

विश्व पटल पर अपनी पहुंच और प्रयोगिक क्षमताओं के बल पर सोशल मीडिया ने संचार जगत की तस्वीर बदल दी है। व्यक्ति की दौड़ भाग भरी ज़िंदगी में तेज़ रफ्तार सोशल मीडिया एक बूटी की भांति है। संचार आवश्यकताओं के साथ सामाजिक और व्यावसायिक दोनों ही द्रष्टियों से सोशल मीडिया का प्लैटफ़ार्म व्यक्तियों को विचार करने का सरल मंच प्रतीत होने लगा है।

- सोशल मीडिया का किस तरह उपयोग किया जाए ? :-

सोशल नेटवर्किंग साइटों में प्रवेश पाने के लिए आपके पास ई-मेल खाता होना आवश्यक है, जिसे आप सोशल

साइटों पर रजिस्टर कर और अपना सोशल मीडिया नेटवर्किंग खाता बना कर वर्चुलिजम की अनोखी और स्वतंत्र दुनिया मैं अपने विचार, डिजिटल फोटोग्राफी तथा वीडियो संप्रेषित कर सकते हैं। सोशल नेटवर्क पर स्पेस की कमी जैसी कोई बात नहीं हैं, बस आपके पास सामग्री होनी चाहिए । वर्चुलिजम का यह संसार आपको भावात्मक रूप से आकर्षित कर आपके जीवन का अहम हिस्सा बनने की अपार क्षमता रखता हैं।

❖ सोशल मीडिया के साधन :-

सोशल नेटवर्किंग प्रदान करने में फेसबूक, ट्विटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, गूगल प्लस, ओरकूट, लिंक्ड-इन तथा यू-ट्यूब आदि तमाम साइटें मौजूद हैं। वर्तमान में भारत में फ़ेसबुक यूजर्स की संख्या अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर हैं , जिसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक हैं। युवानों के लिए यहाँ नित्य नए मित्रों का वर्चुअल संसार हैं जिसमें सीमाओं की कोई सीमा नहीं हैं। सोशल मीडिया के कुछ साधनो को हम उपयोगिता के आधार पर पसंद करते हैं। जैसे कि -

1. फ़ेसबुक :-

फ़ेसबुक विशेष रूप पर युवाओं की पसंदीदा सोशल साइट है, जिसके द्वारा वे अपने रिश्तेदारों और मित्रों से बातचीत करते हैं।साथ ही साथ विचार, फोटो एवं विडियो भी शेयर करते हैं। पिछले एक दशक के रुझान को देखते हुए आज राजनीतिक पार्टियां, व्यवसायी, सरकारी,गेर सरकारी संस्थान सभी इसके माध्यम से अपनी संदेश संप्रेषण की गतिविधियों को पूर्णता को प्रदान कर रहे हैं।

2. ट्विटर:-

140 शब्दों के जादू के नाम से प्रसिद्ध यह सोशल साइट माइक्रो ब्लॉगिंग के लिए जानी जाती हैं। यह साइट 2006 में शुरू हुई थी । इस साइट के द्वारा किसी भी मुद्दे पर किसी व्यक्ति का क्या मत है? यह जाना जाता हैं। साथ ही प्रख्यात व्यक्तियों की टिप्पणीयों या प्रतिक्रियाएँ इस साइट के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। इस साइट के द्वारा ब्लॉगिंग ने नए आयाम स्थापित किए हैं। साथ ही साथ इस साइट ने किसी सूचना या घटना पर प्रतिक्रिया या उसकी दिशा को परखने का अवसर दिया हैं।

VIDHYAYANA

3. विकिपीडिया:-

विकिपीडिया से लगभग आज सभी लोग परिचित हो गए हैं। यह वैबसाइट वस्तुतः व्यक्तियों को कंटेंट को जोड़ने अथवा संपादित करने को सुविधा देती हैं। विकिपीडिया एक ऑनलाइन एनसाइक्लोपीडिया हैं, जिसे यूजर्स ही अपडेट करते हैं।

4. ब्लोगस :-

ब्लॉग मूलतः ऑनलाइन डायरी या जर्नल्स होते है। ब्लॉग पर समान्यतः आखिरी पोस्ट सबसे ऊपर दिखायी देती है। गूगल समेत कई कंपनियाँ ब्लोग पर विज्ञापन लगाने की सुविधा देती है औरप्रयोगकर्ता इन विज्ञापनों के (पाठकों की संख्या के आधार पर) कमाई कर सकते हैं।

इन के अलावा पॉडकास्ट, फोरम, विकीज़, फोटोग्राफ, चित्र, चलचित्र आदि भी काम कर सकते हैं।

5. व्हाट्सएप :-

सोशल मीडिया पर सबसे बड़ी आदत में बन चुकी व्हाट्सएप साइट हैं। युवा क्या सभी उम्र के यूजर्स इसके आदी हो चुके हैं। सुबह उठने पर सबसे पहले व्यक्ति मोबाइल में व्हाट्सएप को चेक करता है उसके द्वारा की गई पोस्ट पर क्या कमेंट आया अथवा उसे किस किस व्यक्ति ने मेसेज किए या फिर रिप्लाय दिया। मानो तो यह कार्य

आजकल की दिनचर्या के रूप में हो गया हैं। सुख–दुख, अच्छे–बुरे सभी तरह के समाचार उसे इस एप्लिकेशन से मिल जाते हैं।

सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव :-

- यह संचार का एक बहुत अच्छा माध्यम है, जिसमें द्रुत गति से सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है और इनमेँ हर प्रकार की जानकारी शामिल होती हैं।
- सोशल मीडिया के माध्यम से सभी को अपनी बात करने का एक एसा मंच उपलब्ध हो गया है जहां बेरोकटोक अपनी बात/विचार रखने जा सकते हैं।
- विशेषज्ञों ने इसे 'इन्फॉर्मेशन हाइवे' का नाम दिया हैं। जिस पर कोई भी चल सकता हैं और यह सबके काम का हैं। लेकिन जिस प्रकार हाइवे (सड़क) दुर्घटनाओं से अछूता नहीं रह पाता, ठीक उसी प्रकार यहाँ भी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बल्कि कुछ ज्यादा ही होती रहती हैं।
- सोशल मीडिया अपनी सकारात्मक भूमिका के माध्यम से किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश आदि को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समूह बना सकते हैं।
- 2014 के आम चुनाव के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक बनाने का काम किया गया, जिससे इन चुनावो में मतदान का प्रतिशत तो बढ़ा ही है, साथ ही युवाओं में चुनाव के प्रति जागरूकता भी बढ़ीं हैं, आगे भी बढ़ेंगी।
- यह सोशल मीडिया ही था जिसके माध्यम से ही 'निर्भया' को न्याय दिलाने के लिए विशाल संख्या में लोग सड़को पर आ गए थे, जिससे सरकार को दबाव में आकर एक नया एवं अधिक प्रभावशाली कानून लाना पड़ा।
- आज फिल्मों के ट्रेलर, टीवी प्रोग्राम का प्रसारण भी सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाने लगा हैं। विडियो तथा ओडियो चेट भी सोशल मीडिया के माध्यम से सुगम हो पाई हैं।
- सोशल मीडिया समाज के सामाजिक विकास में योगदान देता है और कई व्यवसायों को बढ़ाने में भी मदद करता है। सोशल मीडिया मार्केटिंग जैसे साधन प्रदान करता है जो लाखो सशक्त ग्राहकों तक पहुंचता है।

❖ शिक्षण में सोशल मीडिया का महत्व :-

- आजकल कई प्रोफेसर अपने व्याखयान के लिए स्काइप, ट्विटर और अन्य स्थानो पर लाइव विडियो चेट आयोजित कर रहे हैं। यह छात्रों के साथ- साथ शिक्षक को भी घर बैठे किसी चीज को सीखने और साझा करने में सहायता करता है। सोशल मीडिया की मदद से शिक्षा को आसान और सुविधाजनक बनाया जा सकता है।
- चूँकि हम दिन के किसी भी समय सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं और कक्षा के बाद शिक्षक से प्रश्नों का समर्थन और समाधान ले सकते हैं। यह अभ्यास शिक्षक को अपने छात्रों के विकास के और अधिक बारीकी से समझने में मदद करता है।
- यह शिक्षक को अपनी क्षमताओं कौशल और ज्ञान का विस्तार और पता लगाने में भी सहायता करता है।
- छात्र प्रसिद्ध शिक्षकों, प्रोफेसरों और विचारोकों द्वारा ब्लॉग,आर्टिक्ल और लेखन पढ़कर अपना ज्ञान बढ़ा सकता है। इस तरह अच्छी सामग्री व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकती है।

सोशल मीडिया को अच्छा या बुरा कहने के बजाय, हमें अपने लाभ के लिए इसका उपयोग करने के तरीकों को खोजना चाहिए।

अंत में, सोशल मीडिया प्लैटफ़ार्म अपने उपयोगकर्ताओं तथा लाखो अन्य लोगों को जानकारी साझा करने में

मदद करता है। सोशल मीडिया के महत्व को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आज हमारे जीवन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हम गुणवतायुक्त सामग्री, उत्पादन और सेवाएँ आज ऑनलाइन आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। एक क्लिक से विश्व के समाचार और सभी घटनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही विशेष हम अपने मित्रों, रिशतेदारों से तथा नए दोस्तों से सीधे और त्वरित संबंध बना सकते हैं। इस बात से अस्वीकार नहीं किया जा सकता, कि बुद्धिमानी से सोशल मीडिया का उपयोग किया जाये तो हम एक बहेतर और सुसंस्कारी सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. https://www.hindikiduniya.com
2. https://www.drishtias.com
3. https://www.fastkhabar.com
4. https://hiwikimedia.org
5. www.shodhganga.inflibnet.ac.in